आओ! बारिश में भीगें

कविताएँ

अबु सिददिक

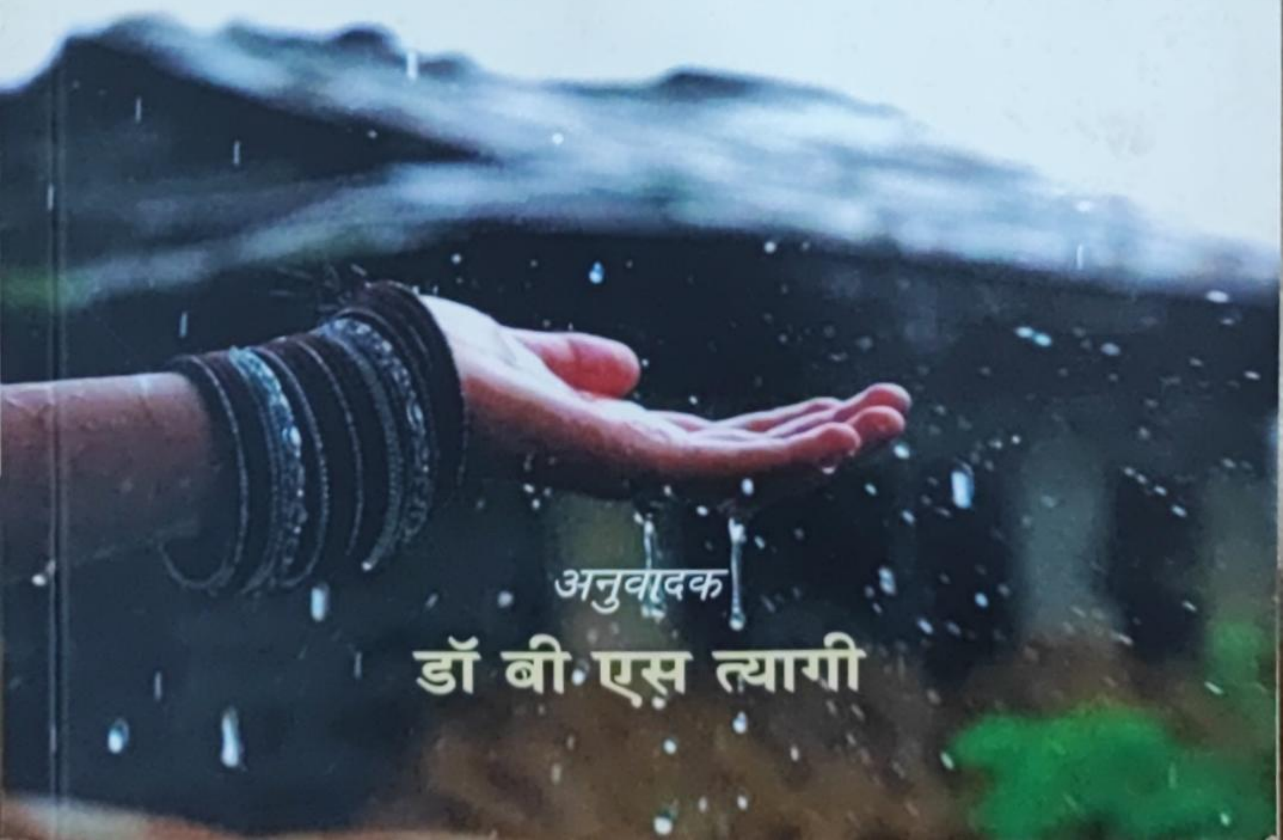

अनुवादक

डॉ बी एस त्यागी

आओ! बारिश में भीगें

कविताएँ

अबु सिददिक

अनुवादक

डॉ बी एस त्यागी

AUTHORS PRESS

Worldwide Circulation through Authorspress Global Network
First Published in 2021
by
Authorspress
Q-2A Hauz Khas Enclave, New Delhi-110 016 (India)
Phone: (0) 9818049852
E-mail: authorspressgroup@gmail.com
Website: www.authorspressbooks.com

आओ! बारिश में भीगें
(कविताएँ)
ISBN 978-93-91314-49-1

Copyright © 2021 अबु सादिक

अनुवादक : डा बी एस त्यागी

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, transmitted or utilised in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the author.

Printed in India at Thomson Press (India) Limited

सारणी

आमुख 7
1 क्या दिन थे वे! 15
2 डरने की कोई बात नहीं, प्रिय 16
3 मालिक हो तुम मेरे 17
4 शोकगीत 18
5 गुमसुम खड़े पेड़ 20
6 खूबसूरत पेड़ 21
7 किसान का दर्द 22
8 यदि मैं लिखूँ 23
9 कुछ भी नहीं किया जा सकता 24
10 ओ अन्नदाता! 25
11 भीड़ के लिए मत करो शोक 26
12 हर बार आया हूँ 27
13 तब तुम्हें पता चलेगा 28
14 गहरी प्रार्थना 29
15 मत पूछो मुझसे 30
16 जब बच्चा रोता है 32
17 मैं मुस्कराता हूँ 34
18 बूढ़ा चौकीदार 36
19 रास्ता यहाँ से जाता है 37
20 आँगन 38
21 अकेला आदमी 39
22 कौन नहीं अकेला? 40
23 छत से 42
24 सूख गये थे आँसू बहुत पहले 44

25	आओ, भीगें बारिश में	46
26	आओ एक झोंपड़ी बनायें	48
27	आओ प्रिय!	50
28	कोई शिकायत नहीं	52
29	कुंजनगर	53
30	जब आरोही घूम जाता है	55
31	मैं रो पड़ता हूँ	57
32	बेटी से वार्तालाप	59
33	ओ, घुमावदार नदी!	61
34	ओ! विसर्पी नदी	63
35	बूढ़ी औरत	65
36	आओ, एक चिराग़ जलायें	67
37	चाह	69
38	मुझे भूल जाना	70
39	ओ, घुमावदार सड़क!	72
40	नदी किनारे	75
41	बलिदान	77
42	समुद्र तट पर	79
43	कल मैं नहीं रहूँगा	81
44	एक गाँव की सुबह	83
45	यदि तुम प्यार करते हो	85
46	सांध्य–गीत	88
47	चाँन्दनी में नहाया पुल	90
48	प्रेम और आशा का देश	91
49	कुहरे में सूर्यास्त	92
50	वह भी मोमबती जलाता है	93
51	दोस्त से वायदा	94

आमुख

बंगाल की धरती साहित्य के क्षेत्र में सदैव से ही उर्वर रही है। अनेक लब्ध प्रतिष्ठि साहित्कारों को जन्म दिया है इसने। भारत का साहित्यकाश इसके साहित्यकारों से आज भी दैदीप्यमान है। इसके लेखकों व कवियों ने समाज का समय–समय पर मार्गदर्शन किया है। आज भी बंगाल में अच्छा साहित्य खूब लिखा व पढा जा रहा है। समकालीन साहित्यकारों में अबु सिद्दिक का नाम उल्लेखनीय है। वे साहित्य में अपनी एक विशेष पहचान बना चुके हैं । उनकी रचनाएँ देश और विदेश की प्रसिद्ध पत्र–पत्रिकाओं में निरन्तर प्रकाशित हो रही हैं। उनकी कविताएँ आम आदमी से जुड़ी हैं इसलिए वे बहुआयामी हैं। उनकी कविताओं के दो संकलन –*रॅग्इड ट्रेरेन, और विसपरिन्ग एकोज* और एक कहानी संकलन –*अॅ बॅर्ड वाचर* इस बात का प्रमाण हैं कि वे आम का दर्द पूरी तरह समझते हैं। उनकी दृष्टि पैनी है जिससे उनके चारों ओर होने वाली घटना नहीं बच पाती। वे उसे देखते हैं और उस पर अपनी सटीक प्रतिक्रिया देते हैं। वे एक सजग प्रहरी की भाँति समाज में खड़े रहकर अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उनकी कविताओं को दो भागों में विभक्त किया जा सकता है–व्यक्तिगत और सामाजिक। व्यक्तिगत कविताओं में उनका निजी दुख, सुख, आशा व निराशा अभिव्यक्त हुयी है। वे हर बात को बड़ी ही गहराई से महसूस करते हैं। भावनाएँ सावन के बादलों की तरह घुमडती हैं और फिर उनके तन–मन को भिगो जाती हैं। उनका मन कोमल है। वे दूसरे का दुख नहीं सह पाते। खुद ही सहन करते जाते हैं।

यकीन रखना
नहीं हो सकता अहित
मुझसे कोई भी तुम्हारा।
केवल एक शाम